SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Teaching Associate (Contractual) — Rajasthan College Education Society (Raj-CES)

टीचिंग एसोसिएट राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में संविदा पर पढ़ाने वाला शिक्षक है। काम वही है जो सहायक आचार्य का होता है — स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अपने विषय का अध्यापन, परीक्षा एवं मूल्यांकन का काम, और विद्यार्थियों...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-teaching-associate

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

टीचिंग एसोसिएट राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में संविदा पर पढ़ाने वाला शिक्षक है। काम वही है जो सहायक आचार्य का होता है — स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अपने विषय का अध्यापन, परीक्षा एवं मूल्यांकन का काम, और विद्यार्थियों का शैक्षणिक मार्गदर्शन। भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड करता है और नियुक्ति राजस्थान कॉलेज एजुकेशन सोसायटी (राज-सीईएस) के अंतर्गत होती है। एक बात आरंभ में ही स्पष्ट रूप से जान लेनी चाहिए, क्योंकि यही इस पद का सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य है, और वह पात्रता से नहीं, नियुक्ति की शर्तों से जुड़ा है। इस पद के लिए योग्यता ठीक वही माँगी जाती है जो नियमित सहायक आचार्य के लिए — विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर, तथा नेट/स्लेट/सेट अथवा पी-एच.डी.। पर मिलने वाला पद संविदा का है: ₹28,850 नियत मासिक पारिश्रमिक, अधिकतम पाँच वर्ष की अवधि, न वेतनमान, न वार्षिक वेतन-वृद्धि, न पेंशन, न वरिष्ठता। अर्थात् जो अभ्यर्थी इस पद के योग्य है, वह उसी योग्यता से नियमित पद के लिए भी योग्य है। इसका अर्थ यह नहीं कि यह पद लेने योग्य नहीं — यह वास्तविक महाविद्यालयीन अध्यापन का अनुभव है और वेतन के साथ है — पर इसका अर्थ यह अवश्य है कि इसे अंतिम मंज़िल नहीं, एक पुल मानकर लेना चाहिए, और नियमित सहायक आचार्य की परीक्षा देना साथ-साथ जारी रखना चाहिए।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	सम्बन्धित विषय में किसी भारतीय विश्वविद्यालय से कम से कम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि, तथा इसके साथ यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा आयोजित नेट, अथवा स्लेट/सेट उत्तीर्ण होना; अथवा यू.जी.सी. के 2009 या 2016 विनियमों के अनुसार पी-एच.डी. उपाधि, जिस दशा में नेट/सेट की आवश्यकता नहीं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमीलेयर), अति पिछड़ा वर्ग एवं विशेष योग्यजन को स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर 5% की छूट। साथ ही देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी का कार्य-ज्ञान एवं राजस्थान की संस्कृति का ज्ञान
भर्ती संस्था	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आर.एस.एस.बी.) — नियुक्ति राजस्थान कॉलेज एजुकेशन सोसायटी (राज-सीईएस) के अंतर्गत, राज-सीईएस हायरिंग ऑफ मैन पावर रूल्स 2023 के अनुसार
आयु-सीमा	21 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को
आरंभिक वेतन	₹28,850 प्रतिमाह नियत पारिश्रमिक (Fixed Remuneration) — सभी 32 विषयों के लिए एक समान। यह पारिश्रमिक है, वेतनमान नहीं
माँग	यह बड़ी भर्ती है और 32 विषयों में एक साथ निकलती है, जिनमें उर्दू, लोक प्रशासन, गृह विज्ञान, चित्रकला तथा कृषि के कई विषय ऐसे हैं जिनकी राज्य में भर्ती वर्षों में एक बार आती है। पद संविदा का है, इसलिए इसकी निरंतरता सोसायटी की अवधि पर निर्भर करती है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- अपने विषय को पढ़ाना एवं उसमें गहराई तक जाना
- पढ़ना, लिखना एवं शोध की ओर झुकाव
- युवाओं के साथ काम करना — महाविद्यालय की कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थी वयस्क होते हैं और उनसे संवाद अलग तरह का होता है

क्षमताएँ

- विषय पर अधिकार — स्नातकोत्तर स्तर तक की सामग्री को समझाकर पढ़ा सकने की क्षमता
- अनिश्चितता के साथ काम करने की क्षमता, क्योंकि यह पद संविदा का है और उसकी अवधि सीमित है — यह क्षमता इस विशेष पद के लिए उतनी ही व्यावहारिक है जितनी विषय की जानकारी
- भाषा एवं अभिव्यक्ति, हिन्दी तथा विषय की भाषा दोनों में

ज़रूरी कौशल

- स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं का अध्यापन
- परीक्षा, मूल्यांकन एवं आंतरिक परीक्षण का काम
- महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों में सहयोग
- पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन-योजना बनाना एवं कक्षा का संचालन
- विद्यार्थियों का शैक्षणिक मार्गदर्शन एवं परामर्श
- अपने विषय में अध्ययन जारी रखना — क्योंकि इसी से नियमित पद की परीक्षा की तैयारी भी बनी रहती है

4 कैसे पहुँचें

1. अपने विषय में स्नातक करें, फिर उसी अथवा सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर करें। स्नातकोत्तर में कम से कम 55% अंक आवश्यक हैं (आरक्षित एवं विशेष योग्यजन श्रेणियों के लिए 50%)। यह अंक-सीमा बाद में सुधारी नहीं जा सकती, इसलिए स्नातकोत्तर के अंक इस रास्ते का पहला निर्णायक बिंदु हैं।
2. नेट (यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर.) अथवा राजस्थान का सेट उत्तीर्ण करें। यही वह द्वार है जिसके बिना महाविद्यालय अध्यापन का कोई रास्ता नहीं खुलता — न यह संविदा पद, न नियमित सहायक आचार्य का पद। पी-एच.डी. करने वाले अभ्यर्थी, जिनकी उपाधि यू.जी.सी. के 2009 अथवा 2016 विनियमों के अनुसार हो, नेट/सेट से मुक्त रहते हैं।
3. नेट अथवा सेट उत्तीर्ण करते ही दोनों रास्ते एक साथ खुल जाते हैं, और यही जान लेने योग्य बात है। एक ही योग्यता से आप इस संविदा पद के लिए भी पात्र हैं और नियमित सहायक आचार्य के पद के लिए भी। दोनों के आवेदन करते रहें।
4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की विज्ञप्ति आने पर एस.एस.ओ. पोर्टल से आवेदन करें। आवेदन से पहले एकबारगी पंजीयन (ओ.टी.आर.) पूरा करना आवश्यक है, और उसमें दर्ज श्रेणी एवं शैक्षणिक योग्यता ही आगे विकल्प तय करती है — इसलिए ओ.टी.आर. सावधानी से भरें, उसमें केवल एक बार संशोधन की सुविधा मिलती है।

5 लिखित परीक्षा दें। पात्रता में यह भी है कि जो अभ्यर्थी योग्यता के अंतिम वर्ष में हैं वे आवेदन कर सकते हैं, पर निर्धारित योग्यता परीक्षा की तिथि तक अर्जित कर लेना अनिवार्य है — उसके बाद अर्जित करने वाले पात्र नहीं माने जाते।

प्रमुख परीक्षाएँ

- चयन केवल लिखित परीक्षा से होता है, साक्षात्कार नहीं होता। दो प्रश्न-पत्र हैं। प्रश्न-पत्र I — राजस्थान का सामान्य ज्ञान, 75 अंक, 1 घंटा। प्रश्न-पत्र II — पद से सम्बन्धित विषय, 60 प्रश्न, 300 अंक, 2 घंटे। कुल 120 प्रश्न एवं 375 अंक। ध्यान दें कि दोनों प्रश्न-पत्रों में प्रश्नों की संख्या समान है पर अंक-भार बहुत असमान — विषय का प्रश्न-पत्र कुल अंकों का 80% है। इसलिए तैयारी का अधिकांश भाग अपने विषय पर लगना चाहिए, न कि सामान्य ज्ञान पर, जो इस परीक्षा में सहायक भूमिका में है।
- ऋणात्मक अंकन लागू है — प्रत्येक गलत उत्तर पर एक-तिहाई अंक काटा जाता है। इसके साथ बोर्ड का वह नियम भी लागू होता है जिसके अनुसार यदि किसी प्रश्न में कोई विकल्प नहीं भरा गया तो भी अंक कटते हैं: 10% तक प्रश्नों को खाली छोड़ने पर प्रत्येक ऐसे प्रश्न पर एक-तिहाई अंक घटाया जाता है। व्यवहार में इसका अर्थ यह है कि प्रश्न-पत्र में कम से कम 90% प्रश्नों पर कोई न कोई विकल्प भरना ही होता है। यह नियम राजस्थान की परीक्षाओं का अपना है और बाहर से आने वाले अभ्यर्थी प्रायः इससे अपरिचित रहते हैं।
- एक व्यावहारिक चेतावनी जो इस परीक्षा से बाहर की है पर इसी विज्ञप्ति में दर्ज है: यदि कोई अभ्यर्थी एक वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) में राजस्थान लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन बोर्ड अथवा राज्य की किसी अन्य भर्ती एजेंसी की दो परीक्षाओं में उपस्थित नहीं होता, तो उसका एकबारगी पंजीयन (ओ.टी.आर.) अवरुद्ध कर दिया जाता है। इसे पुनः चालू कराने के लिए ₹750 का शुल्क देना पड़ता है, और उसी वर्ष दो और परीक्षाओं में अनुपस्थित रहने पर यह शुल्क ₹1,500 हो जाता है। अर्थात् आवेदन करके परीक्षा छोड़ देना अब निशुल्क नहीं रहा — सोच-समझकर आवेदन करें।
- न्यूनतम अंक की शर्त दोहरी है और इसे पहले से जान लेना चाहिए: प्रत्येक प्रश्न-पत्र में कम से कम 36% तथा दोनों के योग में कम से कम 40% आवश्यक हैं। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए इनमें 5% की छूट है। अर्थात् केवल विषय के प्रश्न-पत्र में अच्छा कर लेना पर्याप्त नहीं — राजस्थान के सामान्य ज्ञान वाले प्रश्न-पत्र में भी 36% लाना अनिवार्य है, और यही वह बिंदु है जहाँ विषय में मज़बूत अभ्यर्थी कभी-कभी चूक जाते हैं।
- नियुक्ति की शर्तें राज-सीईएस हायरिंग ऑफ मैन पावर रूल्स 2023 से तय होती हैं, और यह वह भाग है जिसे विज्ञप्ति की भीड़ में सबसे ज़्यादा छोड़ दिया जाता है। पहली संविदा नियुक्ति अधिकतम पाँच वर्ष के लिए होती है, अथवा सोसायटी की अवधि समाप्त होने तक — जो भी पहले हो। यदि सोसायटी की अवधि बढ़ाई जाती है तो सोसायटी, आवश्यकता एवं व्यक्ति की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के बाद, एक बार में अधिकतम 3 वर्ष के लिए अवधि बढ़ाने का निर्णय ले सकती है। किसी भी दशा में 60 वर्ष की आयु के बाद अवधि नहीं बढ़ाई जाती, और विज्ञप्ति यह भी कहती है कि इस सम्बन्ध में पृथक् से कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Maharaja Ganga Singh University, Bikaner — postgraduate departments across many of the subjects this recruitment covers — बीकानेर, राजस्थान (https://www.mgsubikaner.ac.in/)
- Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer — postgraduate teaching across arts, science and commerce subjects — अजमेर, राजस्थान (https://www.mdsuajmer.ac.in/)
- Mohanlal Sukhadia University, Udaipur — postgraduate teaching in arts, science and commerce subjects — उदयपुर, राजस्थान (https://www.mlsu.ac.in/)
- Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner — postgraduate study in the agriculture subjects this recruitment covers — जोबनेर, जयपुर, राजस्थान (https://www.sknau.ac.in/)

ऑनलाइन

- यू.जी.सी.-नेट, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी — महाविद्यालय अध्यापन का प्रवेश-द्वार — अखिल भारतीय (https://ugcnet.nta.ac.in/)
- राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड — विज्ञप्ति, पाठ्यक्रम एवं परिणाम — जयपुर, राजस्थान (https://rssb.rajasthan.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

इस रास्ते की पढ़ाई राजकीय महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में सस्ती है — स्नातक एवं स्नातकोत्तर मिलाकर पाँच वर्ष की फ़ीस निजी संस्थान की एक वर्ष की फ़ीस से भी कम पड़ती है। असली लागत समय की है, धन की नहीं: स्नातकोत्तर तक पाँच वर्ष, और उसके बाद नेट अथवा सेट उत्तीर्ण करने में लगने वाले प्रयास। आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग एवं क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए ₹600 है; राजस्थान के नॉन-क्रीमीलेयर अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति तथा समस्त दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए ₹400। ध्यान दें कि राजस्थान से बाहर के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी इस भर्ती में सामान्य वर्ग माने जाते हैं और उन्हें ₹600 ही देना होता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कौन नौकरी देता है

- राजस्थान कॉलेज एजुकेशन सोसायटी (राज-सीईएस) — राजकीय महाविद्यालयों में संविदा नियुक्ति
- कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान — नियमित सहायक आचार्य का पद इसी विभाग के अंतर्गत आता है, और वही इस रास्ते का अगला लक्ष्य है

माँग (2026)

यह भर्ती बड़ी है और 32 विषयों में एक साथ आती है। इसका सबसे उपयोगी पक्ष उन विषयों के लिए है जिनकी राज्य में भर्ती बिरले आती है — उर्दू, लोक प्रशासन, गृह विज्ञान, चित्रकला, तथा कृषि के विषय जैसे सस्य विज्ञान, कीट विज्ञान, पादप रोगविज्ञान, मृदा विज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, पशु विज्ञान, उद्यान विज्ञान, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि अर्थशास्त्र एवं कृषि विस्तार। इन विषयों में नेट उत्तीर्ण स्नातकोत्तर अभ्यर्थी वर्षों तक ऐसी कोई विज्ञप्ति नहीं देख पाते जिसके लिए वे पात्र हों। दूसरी ओर, पद संविदा का है और उसकी निरंतरता सोसायटी की अवधि से बँधी है, इसलिए इसे स्थायी माँग नहीं माना जा सकता। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. यह संविदा पद है, इसलिए इसमें पदोन्नति की कोई सीढ़ी नहीं है। पहली नियुक्ति अधिकतम पाँच वर्ष की होती है और उसके बाद अवधि बढ़ाई जा सकती है, पर यह पदोन्नति नहीं — वही पद, वही पारिश्रमिक, बढ़ी हुई अवधि। यह बात इस पद को इस पोर्टल के लगभग हर दूसरे शिक्षण पद से अलग करती है और इसे छिपाना उचित नहीं।
2. वास्तविक आगे का रास्ता इस पद के भीतर नहीं, इसके समानांतर है: नियमित सहायक आचार्य की भर्ती, जो राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है और जिसकी योग्यता ठीक वही है जो इस पद की है। इस पोर्टल पर उसका अपना पृष्ठ है। संविदा पर पढ़ाते हुए उस परीक्षा की तैयारी जारी रखना ही इस रास्ते की सही योजना है, और अध्यापन का अनुभव उस तैयारी में सीधे काम आता है।
3. पी-एच.डी. करना दूसरा समानांतर रास्ता है। यह नेट की अनिवार्यता से मुक्ति देता है, विश्वविद्यालय एवं शोध की ओर दरवाज़े खोलता है, और नियमित पद की चयन-प्रक्रिया में भी सहायक होता है। संविदा अध्यापन के साथ इसे करना कठिन है पर असम्भव नहीं, और पाँच वर्ष की अवधि इसके लिए पर्याप्त समय है — यदि आरंभ से ही यह योजना हो।

कमाई

शुरुआत	₹28,850 प्रतिमाह (नियत पारिश्रमिक)
मध्य स्तर	₹28,850 प्रतिमाह — संविदा अवधि में यह आँकड़ा नहीं बढ़ता
वरिष्ठ स्तर	इस पद पर वरिष्ठ स्तर नहीं होता; आगे का वेतन नियमित सहायक आचार्य के पद पर जाने से ही बढ़ता है

विज्ञप्ति सभी 32 विषयों के लिए एक ही आँकड़ा देती है — ₹28,850 प्रतिमाह — और इसे "नियत पारिश्रमिक (Fixed Remuneration)" कहती है, "मानदेय" नहीं; परिणाम दोनों के एक ही हैं। यह आँकड़ा राज्य सरकार के आदेश से परिवर्तनीय है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह संख्या संविदा अवधि में स्थिर रहती है: वार्षिक वेतन-वृद्धि नहीं होती, इसलिए पाँचवें वर्ष में भी वही ₹28,850 मिलता है जो पहले महीने में मिला था। इसकी तुलना नियमित सहायक आचार्य के पद से करके देखना चाहिए, जहाँ वेतनमान, वार्षिक वेतन-वृद्धि, भत्ते एवं पेंशन सब लागू होते हैं — और जिसकी योग्यता इस पद से एक भी अधिक नहीं है। यह आँकड़ा मानदेय है, वेतन नहीं — और यही इस पद की सबसे बड़ी बात है जिसे पहले समझ लेना चाहिए। मानदेय पर महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, वेतन-वृद्धि, पेंशन एवं वेतनमान के अन्य लाभ लागू नहीं होते; जो राशि स्वीकृत है वही मिलती है। दर तब बदलती है जब राज्य सरकार प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करती है, प्रायः बजट घोषणा की पालना में — किसी वेतन आयोग की सिफ़ारिश से नहीं। इसलिए इस पृष्ठ पर सातवें या आठवें वेतन आयोग की कोई बात नहीं है, क्योंकि उनका इस पद पर कोई लागू नहीं होता।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- यह वास्तविक महाविद्यालयीन अध्यापन है, और वेतन के साथ है। नेट उत्तीर्ण करने के बाद नियमित पद की प्रतीक्षा में बैठे रहने की तुलना में यह कहीं बेहतर स्थिति है — अनुभव बनता है, आय आती है, और विषय से सम्पर्क बना रहता है।
- चयन केवल लिखित परीक्षा से होता है, साक्षात्कार नहीं। इसका अर्थ है कि चयन विषय की जानकारी पर टिका है और उसमें व्यक्तिपरक आकलन की गुंजाइश कम है।
- उन विषयों के लिए यह दुर्लभ अवसर है जिनकी राज्य में भर्ती वर्षों में एक बार आती है — उर्दू, लोक प्रशासन, गृह विज्ञान, चित्रकला तथा कृषि के दस से अधिक विषय।
- अध्यापन का अनुभव नियमित सहायक आचार्य की तैयारी में सीधे काम आता है, इसलिए यह पद उस लक्ष्य के विरुद्ध नहीं बल्कि उसके पक्ष में काम करता है।

चुनौतियाँ

- पद संविदा का है और अधिकतम पाँच वर्ष का। न वेतनमान, न वार्षिक वेतन-वृद्धि, न पेंशन, न वरिष्ठता। यह इस पद की सबसे बड़ी सीमा है और इसे किसी भी अन्य लाभ से ढका नहीं जा सकता।
- योग्यता नियमित सहायक आचार्य जितनी ही माँगी जाती है — स्नातकोत्तर 55% के साथ, और नेट/सेट अथवा पी-एच.डी.। इतनी योग्यता अर्जित करने में जितने वर्ष लगते हैं, उसके अनुपात में ₹28,850 का नियत पारिश्रमिक कम है, और यह तुलना ईमानदारी से करके ही निर्णय लेना चाहिए।
- आयु-सीमा 21 से 40 वर्ष है और अवधि पाँच वर्ष। अर्थात् 35 वर्ष की आयु में जुड़ने वाला व्यक्ति 40 का होकर संविदा समाप्त होते देख सकता है, बिना पेंशन एवं बिना वरिष्ठता के, और उस आयु में नियमित पद के लिए आवेदन की आयु-सीमा भी समाप्ति के निकट होती है। यह जोखिम वास्तविक है।
- पद की निरंतरता सोसायटी की अवधि पर निर्भर है — विज्ञप्ति स्वयं कहती है कि पहली नियुक्ति पाँच वर्ष अथवा सोसायटी की अवधि की समाप्ति तक, जो भी पहले हो। अर्थात् पाँच वर्ष भी निश्चित नहीं हैं।

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. — https://rssb.rajasthan.gov.in/storage/advertisement_item/1777546753.pdf

2. — https://rssb.rajasthan.gov.in/

3. — https://hte.rajasthan.gov.in/

4. — https://ugcnet.nta.ac.in/

5. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in